CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 28 ▫ अंक- 3 ▫ रायपुर, शनिवार 25 जनवरी 2025 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • बिलासपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

मामलों के बेहतर निपटान के लिए हाईकोर्ट सख्त छत्तीसगढ़ रजिस्ट्रार जनरल ने जारी किया आदेश

बिलासपुर, 25 जनवरी (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने जिला न्याय पालिका के सभी न्यायिक अधिकारियों के लिए परिपत्र जारी किया है. जिसमें सभी मामलों के बेहतर निपटान के संबंध में निम्नलिखित निर्देशों का पालन करने के लिए निर्देशित किया गया है. रजिस्ट्रार जनरल के. विनोद कुजूर की ओर से जारी परिपत्र में लिखा गया है कि राज्य के सभी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, प्रधान न्यायाधीश/न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय, न्यायाधीश, वाणिज्यिक न्यायालय, (जिला स्तर), रायपुर, न्यायाधीश, औद्योगिक न्यायालय/श्रम न्यायालय को रजिस्ट्री द्वारा समय-समय पर जारी मामलों के बेहतर निपटान के संबंध में निर्देशों का पालन किया जाना है.

वहीं 10 वर्ष से अधिक, 5-10 वर्ष, 2-5 वर्ष, 0-2 वर्ष से अधिक लंबित मामलों का निपटारा विलंब एवं बकाया समिति/राज्य न्यायालय प्रबंधन प्रणाली प्रकोष्ठ द्वारा मामलों के त्वरित निपटारे के लिए छत्तीसगढ़ राज्य

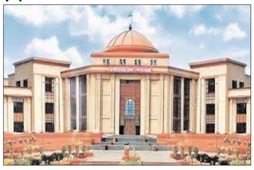

सभी न्यायालयों को अनुपालन अनिवार्य

की जिला न्यायपालिका में अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं के तहत जारी निर्देशों तथा रजिस्ट्री ज्ञापन क्रमांक 7650, दिनांक 10-05-2024 के आलोक में किया जाना चाहिए. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 से संबंधित मामलों का निपटारा इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा 3 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना चाहिए. परिपत्र में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 से संबंधित मामलों का निपटारा इस अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 4 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित करने कहा गया है. लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 से संबंधित मामलों का निपटारा इस अधिनियम की धारा 35 की उपधारा 2 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना चाहिए. अतिरिक्त जिला न्यायपालिका के सभी न्यायिक अधिकारियों को आने वाले दिनों में सभी मामलों के निपटान में सुधार करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने चाहिए. वहीं यह भी लिखा गया है कि जिला न्यायपालिका के न्यायिक अधिकारी जो रजिस्ट्री परिपत्र संख्या 4972, दिनांक 13-04-2022 के अनुसार कार्य नहीं कर रहे हैं, उन्हें जल्द से जल्द अपने कार्य निष्पादन में सुधार करने के लिए सभी प्रयास करने चाहिए।

कल 942 कर्मियों को पुलिस मेडल से सम्मानित करेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, 25 जनवरी (न्यूज चैनल)। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कुल 942 पुलिस, अग्निशमन, नागरिक सुरक्षाकर्मियों को वीरता और सेवा पदक से सम्मानित करेंगी। ये पदक विभिन्न श्रेणियों में दिए जाएंगे, जिनमें 95 वीरता पदक भी शामिल हैं। शनिवार को जारी एक सरकारी बयान में इसकी जानकारी दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि पुरस्कार पाने वालों में पुलिस, अग्निशमन, होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा कर्मचारियों के साथ ही सुधारात्मक सेवाओं में काम करने वाले कर्मचारी भी शामिल हैं।

इनमें 95 वीरता पदक भी शामिल

वीरता पदक से सम्मानित होने वाले 28 कर्मी नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात- गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, वीरता पुरस्कार विजेताओं में से 28 कर्मी नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात हैं। 28 जवान जम्मू कश्मीर क्षेत्र में और तीन पूर्वोत्तर क्षेत्र में सेवाएं दे रहे हैं। वहीं देश के अन्य हिस्से में सेवा दे रहे अन्य 36 कर्मचारियों को भी वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। विशिष्ट सेवा के लिए 101 राष्ट्रपति पदकों में से 85 पदक पुलिस कर्मियों को, पांच अग्निशमन सेवा कर्मियों को, सात नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड कर्मियों को और चार सुधारात्मक सेवा के कर्मचारियों को दिए जाएंगे।

746 सराहनीय सेवा पदक से किए जाएंगे सम्मानित- विशिष्ट सेवा पदकों के अलावा 746 सराहनीय सेवा पदक (रूस्रू) भी दिए जाएंगे। इनमें से 634 पुलिस सेवा, 37 अग्निशमन सेवा, 39 नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड्स सेवा तथा 36 सुधारात्मक सेवा के कर्मचारियों को दिए जाएंगे। वीरता पदक, सेवा के दौरान वीरता के काम के लिए दिया जाता है, जिसमें जीवन और संपत्ति की रक्षा करना, अपराध को रोकना या अपराधियों को गिरफ्तार करना शामिल है। इसमें जोखिम का आकलन संबंधित अधिकारी के दायित्वों और कर्तव्यों के अनुसार किया जाता है। वहीं सेवा में विशेष काम के लिए विशिष्ट सेवा का राष्ट्रपति पदक दिया जाता है। संसाधन और कर्तव्य के प्रति सराहनीय समर्पण के लिए सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया जाता है।

शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस अवसर पर विज्ञापन दाताओं, अभिकर्ताओं, पाठकों एवं शुभचिंतकों को बधाई-शुभकामनाएं।

कल अवकाश

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर कल 26 जनवरी 2025 दिन रविवार को हाईवे चैनल कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 27 जनवरी को प्रकाशित होगा। -संपादक

ब्रेकिंग न्यूज

बांके बिहारी मंदिर को मिला एफसीआरए लाइसेंस

नई दिल्ली, 25 जनवरी (न्यूज चैनल)। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत लाइसेंस दिया गया है, ताकि वह विदेशों से धन प्राप्त कर सकें। मंदिर का प्रबंधन वर्तमान में न्यायालय द्वारा किया जाता है, जिसने एक प्रबंधन समिति गठित की है। सूत्रों ने बताया कि वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 के तहत लाइसेंस दिया गया है।

भारत-इंडोनेशिया के बीच कई क्षेत्रों में हुआ करार मोदी बोले- हमारा सहयोग और मजबूत होगा

नई दिल्ली, 25 जनवरी (न्यूज चैनल)। गणतंत्र दिवस के मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने के लिए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत पहुंच चुके हैं। गुरुवार की रात को वे नई दिल्ली पहुंचे। जहां एयरपोर्ट पर विदेश राज्य मंत्री पावित्रा मार्गेरिटा ने उनका स्वागत किया। प्रबोवो सुबियांतो गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लेने वाले इंडोनेशिया के चौथे राष्ट्रपति हैं। उन्होंने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो की मौजूदगी में दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ।

पीएम मोदी ने किया इंडोनेशिया के राष्ट्रपति का स्वागत- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति का स्वागत किया। उन्होंने कहा, भारत के पहले गणतंत्र दिवस के मौके पर इंडोनेशिया मुख्य अतिथि देश था और यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के मौके पर इंडोनेशिया एक बार फिर इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा है। मैं भारत में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो का स्वागत करता हूं। उन्होंने आगे कहा, 2018 में मेरी इंडोनेशिया यात्रा के दौरान हमने अपनी साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में आगे बढ़ाया। आज राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ आपसी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई। रक्षा क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए हमने विनिर्माण और आपूर्ति में मिलकर काम करने का फैसला किया है। हमने समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और डी-रेडिकलाइजेशन में सहयोग पर भी जोर दिया। पीएम मोदी ने आगे कहा, समुद्री सुरक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में आज हस्ताक्षरित समझौता अपराध की रोकथाम, खोज एवं बचाव और क्षमता निर्माण में हमारे सहयोग को और मजबूत करेगा।

छत्तीसगढ़ के अचानकमार टाइगर रिजर्व में मिला बाघिन का शव

रायपुर, 25 जनवरी (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के अचानकमार टाइगर रिजर्व में वन विभाग ने एक बाघिन का शव बरामद किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 23 जनवरी की शाम जब एक वन रक्षक पैदल गश्त पर निकला तो उसने अभयारण्य के बीट संख्या 339 क्षेत्र में बाघिन का शव बरामद किया जिसकी उम्र लगभग पांच वर्ष थी। सूचना मिलते ही वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा शुक्रवार को पशु

चिकित्सकों के एक दल ने शव का पोस्टमार्टम किया।

अधिकारियों ने बताया, ''प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि बाघिन की मौत जानवरों के आपसी संघर्ष के कारण हुई है। बाघिन के पोस्टमार्टम में गर्दन पर दांतों के निशान, श्वास नली फटने, फेफड़ों में सिकुड़न और पूरे शरीर पर खरोंच के निशान मिले हैं, जो किसी अन्य बाघ के हमले के कारण हो सकते हैं।'' उन्होंने बताया कि वन विभाग मामले की जांच कर रहा है।

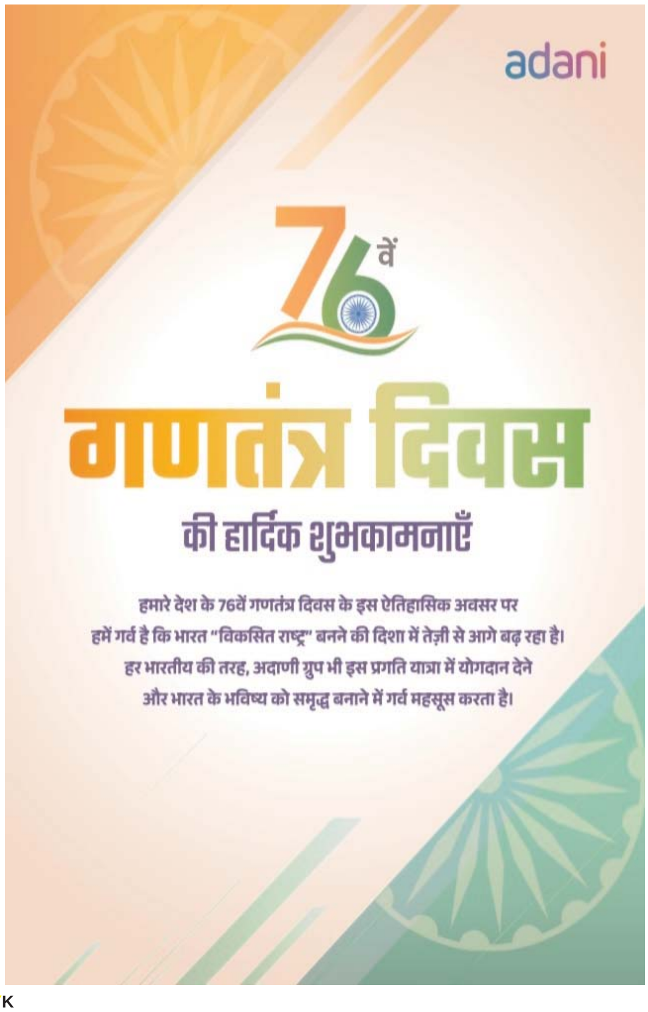

चूहा- सुनती हो, अभिनेत्री ममता कुलकर्णी अब महामंडलेश्वर बन गई हैं।

चुहिया- हां जी, सौ चूहे खाकर बिल्ली चली हज को।

वाईएसआर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद वी विजयसाई रेड्डी ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 25 जनवरी (न्यूज चैनल)। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका देते हुए, पार्टी के राज्यसभा सांसद वी विजयसाई रेड्डी ने इस्तीफा दे दिया है। विजयसाई रेड्डी उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के आवास पर पहुंचे थे। रेड्डी ने कल घोषणा की थी कि वह आज राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे क्योंकि वह राजनीति से संन्यास ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं किसी राजनीतिक दल में शामिल नहीं हो रहा हूं। मेरा इस्तीफा किसी पद/स्थिति, लाभ या मौद्रिक लाभ प्राप्त करने के लिए नहीं है। ये फैसला पूरी तरह से निजी है। मुझ पर कोई दबाव, ज़बरदस्ती या अनुचित प्रभाव नहीं है।

फिर इतिहास रचने को तैयार भारत, श्रीहरिकोटा से 100वीं लॉन्चिंग करेगा इसरो

नई दिल्ली, 25 जनवरी (न्यूज चैनल)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 29 जनवरी को एक ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ अपने 100वें प्रक्षेपण के लिए तैयार है। इस मिशन के तहत जीएसएलवी-एफ 15 रॉकेट के द्वारा एनवीएस-02 उपग्रह को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसएचएआर) से लॉन्च किया जाएगा। यह प्रक्षेपण भारत के स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम एनएवीआईसी को एक और मजबूत क्षमता प्रदान करेगा।

जीएसएलवी-एफ 15 मिशन की उड़ान दुस्त्रह के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भारत के स्वदेशी नेविगेशन उपग्रह प्रणाली एनएवीआईसी को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित करना है। एनवीएस-02, एनएवीआईसी प्रणाली का दूसरा उपग्रह है, जो सटीक स्थिति निर्धारण सेवाओं को और बेहतर बनाएगा। एनएवीआईसी भारत की स्वदेशी क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली है, जिसे विशेष रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में सटीक स्थिति, वेग और समय (पीवीटी) सेवाएँ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रणाली भारतीय भूभाग से लगभग 1,500 किलोमीटर दूर तक कार्य करती है। एनएवीआईसी में दो प्रकार की सेवाएँ शामिल हैं—मानक पोजिशनिंग सेवा (एसपीएस), जो 20 मीटर तक की सटीकता प्रदान करती है, और प्रतिबंधित सेवा (आरएस), जो अतिरिक्त नेविगेशन सुविधाएँ देती है। एनवीएस-02 उपग्रह दूसरी पीढ़ी का उपग्रह है और इसमें एक मानक आई-डब्ल्यूके बस प्लेटफ़ॉर्म है। इसका लिफ्ट-ऑफ द्रव्यमान 2,250 किलोग्राम है और इसमें लगभग 3 किलोवाट की पावर हैंडलिंग क्षमता है। इस उपग्रह में एल1, एल5 और एस बैंड में नेविगेशन पेलोड, और सी-बैंड में रेंजिंग पेलोड होगा। यह उपग्रह आईआरएनएसएस-1ई की जगह 111.75 डिग्री पूर्व में तैनात किया जाएगा।

इस प्रक्षेपण में इसरो की तकनीकी विशेषज्ञता और स्वदेशी क्रायोजेनिक चरणों का उपयोग किया जाएगा। जीएसएलवी-एफ 15 रॉकेट की यह उड़ान जीएसएलवी की 17वीं उड़ान है और स्वदेशी क्रायोजेनिक चरण वाली 11वीं उड़ान है, जो इसरो की तकनीकी क्षमता को और मजबूत करती है। इस मिशन में धातु के पेलोड फेयरिंग का उपयोग किया जाएगा और प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड (एसएलपी) से होगा। एनवीएस-02 का प्रक्षेपण इसरो की सफलता की दिशा में एक और कदम है। यह भारत के स्वदेशी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और नेविगेशन प्रणालियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके अलावा, एनवीएस-02 उपग्रह में स्वदेशी और खरीदी गई परमाणु घड़ियों का संयोजन है, जो सटीक समय निर्धारण के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

CMYK